



## अपरविरतति रेपो दर

### प्रलिम्स के लयि:

आरबीआई, रेपो रेट, रविरस रेपो रेट, मौद्रकि नीति, मौद्रकि नीतिसमति (एमपीसी) ।

### मेन्स के लयि:

मौद्रकि नीति, वृद्धी एवं वकिस, आरबीआई और इसके मौद्रकि नीति उपकरण ।

## चर्चा में क्यौं?

हाल ही में भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) की छह सदस्यीय मौद्रकि नीतिसमति (MPC) ने प्रमुख नीतगित दरों- [रेपो दर, रविरस रेपो दर और बैंक दर](#) को अपरविरतति रखते हुए उदार नीतगित दृष्टिकोण को जारी रखा ।

- यह लगातार दसवीं बार है जब रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं कयिा गया है । केंद्रीय बैंक ने पछिली बार 22 मई, 2020 को नीतगित दर में संशोधन कयिा था ।
- यूएस फेडरल रज़िर्व और यूरोपीय सेंटरल बैंक (ईसीबी) सहति वैश्वकि केंद्रीय बैंकों की दरों में जल्द ही बढोतरी की उम्मीद है ।

## मौद्रकि नीतिसमति:

- यह वकिस के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मूल्य स्थरिता बनाए रखने के लयि भारतीय रज़िर्व बैंक अधनियिम, 1934 के तहत एक वैधानकि और संस्थागत ढाँचा है ।
- आरबीआई का पूरव गवरनर इस समति का पदेन अध्यक्ष होता है ।
- एमपीसी मुद्रास्फीतलि कष्य (4%) को प्राप्त करने के लयि आवश्यक नीतगित ब्याज दर (रेपो दर) नरिधारति करता है ।
- वर्ष 2014 में तत्कालीन डपिटी गवरनर उरजति पटेल के नेतृत्व में आरबीआई द्वारा नयिकृत समति ने मौद्रकि नीतिसमति की स्थापना की सफारशि की थी ।

## प्रमुख घोषणाएँ:

- **रेपो रेट:**
  - गुरोथ को बढावा देने के लयि इसे 4% पर बरकरार रखा गया है ।
  - इसका मतलब है कि बैंक उधार और जमा दरों में वृद्धि नहीं करेगे तथा ऋण पर EMIs अपरविरतति रहेंगी ।
    - रेपो रेट वह दर है जसि पर कसिी देश का केंद्रीय बैंक (भारत के मामले में आरबीआई) वाणजियकि बैंकों के पास धन की कमी होने पर उन्हें पैसा उधार देता है । यहाँ केंद्रीय बैंक प्रतभूतियों की खरीद करता है ।
- **रविरस रेपो रेट:**
  - इसे 3.35% पर बरकरार रखा गया है ।
  - रविरस रेपो रेट वह दर है जसि पर आरबीआई देश के वाणजियकि बैंकों से पैसा उधार लेता है ।
- **बैंक दर:**
  - बैंक दर 4.25% पर अपरविरतति ।
  - यह वाणजियकि बैंकों को धन उधार देने के लयि आरबीआई द्वारा वसूल की जाने वाली दर है ।
- **सीमांत स्थायी सुवधि (MSF) दर:**
  - इस दर को भी 4.25% पर बरकरार रखा गया है ।
  - सीमांत स्थायी सुवधि (MSF) अनुसूचति बैंकों के लयि आपातकालीन स्थति में रज़िर्व बैंक से उधार लेने हेतु एक वकिल्प है, जब इंटरबैंक तरलता पूरी तरह से समाप्त हो जाती है ।
- **मुद्रास्फीतलि:**

- कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद रज़िर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 (FY22) के लिये 5.3% उपभोक्ता मूल्य (खुदरा) मुद्रास्फीति का अनुमान लगाया है।
  - उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) किसी विशेष वस्तु के लिये एक नश्चिती स्तर पर खुदरा कीमतों और ग्रामीण, शहरी एवं अखलि भारतीय स्तरों पर वस्तुओं तथा सेवाओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव की नगिरानी करता है। समय की एक नश्चिती अवधि में मूल्य सूचकांक में परविरतन को सीपीआई-आधारति मुद्रास्फीति या खुदरा मुद्रास्फीति के रूप में जाना जाता है।
- अगले वित्त वर्ष (FY23) के लिये खुदरा मुद्रास्फीति पहले के अनुमानों से कम 4.5% रहने का अनुमान है।
  - MPC ने कहा कि वर्ष 2022-23 की पहली छमाही में मुद्रास्फीति के कम होने और लक्ष्य दर के करीब जाने की संभावना है, इसके बाद समायोजन हेतु बेहतर वकिल्प मौजूद होंगे। सरकार द्वारा समय पर कयि गए आपूर्ति उपायों ने मुद्रास्फीति के दबावों को नश्चिती करने में काफी मदद की है।
  - उदार रुख का अर्थ है कि एमपीसी, दरों को कम करने या उन्हें अपरविरतति रखने हेतु तैयार है।
- **संभावति वृद्धि:**
  - केंद्रीय बैंक ने अगले वित्तीय वर्ष (2022-23) के लिये **वास्तवकि जीडीपी वृद्धि दर 7.8%** रहने का अनुमान लगाया है।
  - **वास्तवकि जीडीपी आर्थकि उत्पादन का एक माप** है जो मुद्रास्फीति या अपस्फीति के परभावों के लिये ज़मिमेदार है।
  - **सांकेतिक जीडीपी और वास्तवकि जीडीपी के बीच का अंतर मुद्रास्फीति के लिये एक समायोजन** है। चूँकि सांकेतिक जीडीपी की गणना मौजूदा कीमतों का उपयोग करके की जाती है, इसलिये इसे मुद्रास्फीति के लिये किसी समायोजन की आवश्यकता नहीं होती है।

## अपरविरतति दरें:

- MPC का वचिार मुद्रास्फीति और वकिस के दृष्टकिेण को ध्यान में रखते हुए वशिष रूप से मुद्रास्फीति दृष्टकिेण में सुधार, **ओमीकरॉन** से संबंधति अनश्चितीताओं और वैश्वकि स्पलि-ओवर द्वारा प्रदान की गई सुवधि का नीतगित समर्थन जारी रखना था।

## स्रोत: हद्रि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/repo-rate-unchanged>

